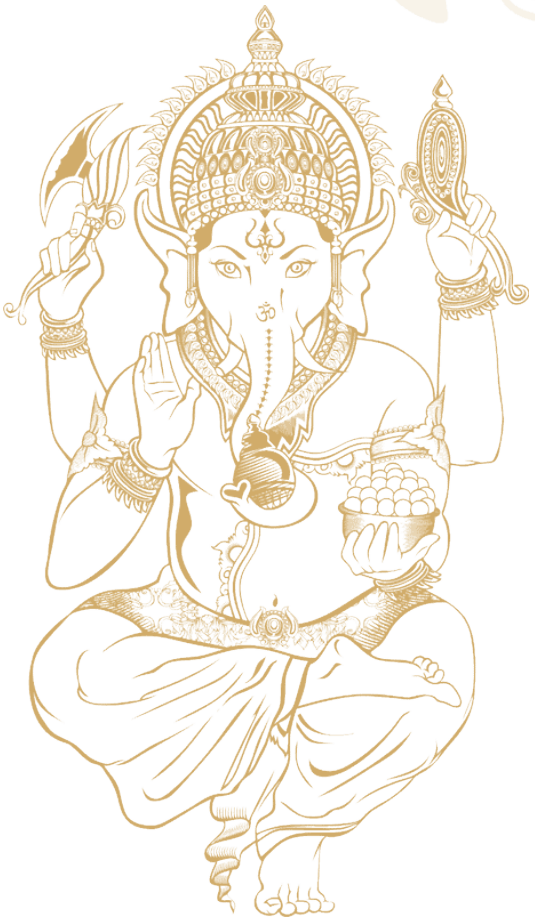

Mr.LAVKUSH KUMAR

15 Apr 2025

11:30 PM

Buxur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121153902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/04/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	44:56:02 घटी
स्थान	**Buxur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:35:00 उत्तर
रेखांश	84:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:36:00 घंटे
वेलान्तर	-00:00:01 घंटे
साम्पातिक काल	13:12:35 घंटे
सूर्योदय	05:31:35 घंटे
सूर्यास्त	18:16:54 घंटे
दिनमान	12:45:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:48:03 मेष
लग्न के अंश	11:31:02 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:31:02	339:55:26	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मेष	01:48:03	00:58:43	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			वृश्चि	01:30:44	11:54:00	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			कर्क	04:48:00	00:24:07	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			मीन	05:26:49	00:38:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			वृष	24:14:54	00:10:49	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	00:33:29	00:06:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शनि			मीन	02:00:01	00:06:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		मीन	02:55:43	00:04:55	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	02:55:43	00:04:55	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	01:16:22	00:03:08	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	---
नेप			मीन	06:22:53	00:02:06	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:31:26	00:00:32	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	25:26:50	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:37

लग्न-चलित

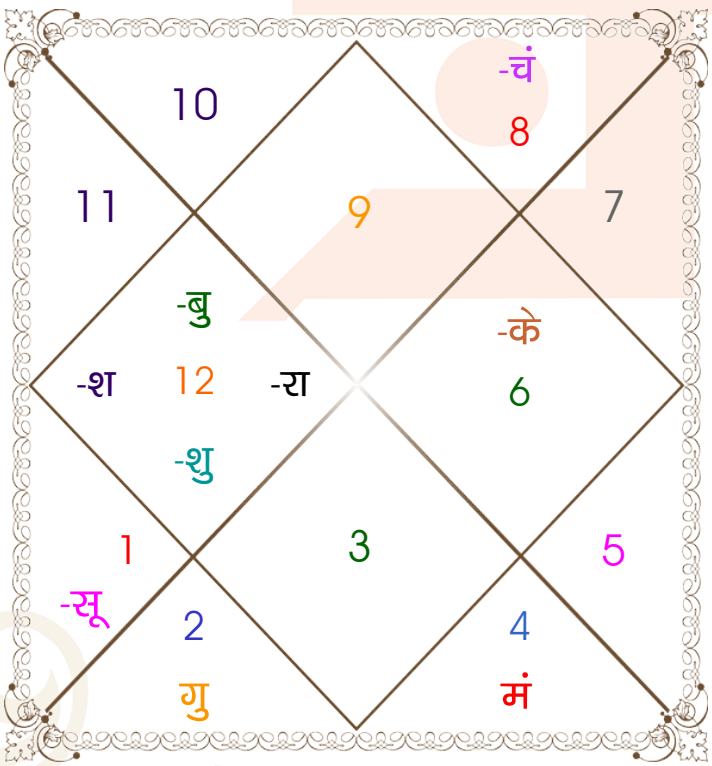

चन्द्र कुंडली

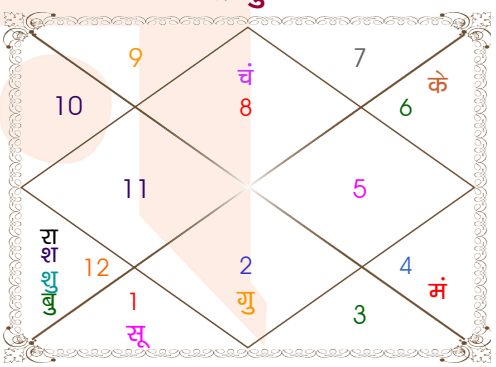

नवमांश कुंडली

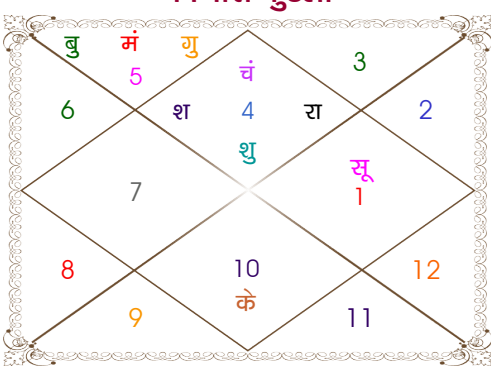

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 2 मास 6 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/04/2025		23/06/2027		22/06/2046		23/06/2063		22/06/2070	
23/06/2027		22/06/2046		23/06/2063		22/06/2070		22/06/2090	
	00/00/0000	शनि	26/06/2030	बुध	18/11/2048	केतु	19/11/2063	शुक्र	22/10/2073
	00/00/0000	बुध	05/03/2033	केतु	15/11/2049	शुक्र	18/01/2065	सूर्य	22/10/2074
	00/00/0000	केतु	13/04/2034	शुक्र	15/09/2052	सूर्य	26/05/2065	चंद्र	22/06/2076
	00/00/0000	शुक्र	13/06/2037	सूर्य	23/07/2053	चंद्र	25/12/2065	मंगल	22/08/2077
	00/00/0000	सूर्य	26/05/2038	चंद्र	22/12/2054	मंगल	23/05/2066	राहु	22/08/2080
	00/00/0000	चंद्र	25/12/2039	मंगल	19/12/2055	राहु	11/06/2067	गुरु	23/04/2083
	00/00/0000	मंगल	02/02/2041	राहु	08/07/2058	गुरु	16/05/2068	शनि	22/06/2086
	15/04/2025	राहु	10/12/2043	गुरु	13/10/2060	शनि	25/06/2069	बुध	22/04/2089
राहु	23/06/2027	गुरु	22/06/2046	शनि	23/06/2063	बुध	22/06/2070	केतु	22/06/2090

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/06/2090		22/06/2096		23/06/2106		23/06/2113		24/06/2131	
22/06/2096		23/06/2106		23/06/2113		24/06/2131		16/04/2145	
सूर्य	10/10/2090	चंद्र	22/04/2097	मंगल	20/11/2106	राहु	05/03/2116	गुरु	11/08/2133
चंद्र	11/04/2091	मंगल	21/11/2097	राहु	08/12/2107	गुरु	30/07/2118	शनि	22/02/2136
मंगल	16/08/2091	राहु	23/05/2099	गुरु	13/11/2108	शनि	05/06/2121	बुध	30/05/2138
राहु	10/07/2092	गुरु	22/09/2100	शनि	23/12/2109	बुध	23/12/2123	केतु	06/05/2139
गुरु	28/04/2093	शनि	24/04/2102	बुध	20/12/2110	केतु	10/01/2125	शुक्र	04/01/2142
शनि	10/04/2094	बुध	23/09/2103	केतु	18/05/2111	शुक्र	11/01/2128	सूर्य	23/10/2142
बुध	15/02/2095	केतु	23/04/2104	शुक्र	17/07/2112	सूर्य	04/12/2128	चंद्र	22/02/2144
केतु	23/06/2095	शुक्र	23/12/2105	सूर्य	22/11/2112	चंद्र	05/06/2130	मंगल	28/01/2145
शुक्र	22/06/2096	सूर्य	23/06/2106	चंद्र	23/06/2113	मंगल	24/06/2131	राहु	16/04/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।